

सोम रेखा गुप्त का बड़ा फैसला, डीसीपीआर में जवाब और 4 नए सदस्यों की नियुक्ति

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्त के निर्देश पर सरकार ने लगभग 3 वर्षों से रिकत दिखी बाल अधिकार संरक्षण आयोग का पुनर्गठन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के माध्यम से डीसीपीआर का पुनर्गठन करते हुए आयोग में एक अध्यक्ष और 4 सदस्यों की नियुक्ति को गढ़ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनका कल्याण दिखी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, व्यास के अलावा राहुल गौतम, कुंदन कंसकर, स्वाति गुप्त और मोनिका शर्मा को आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्तियां कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी।

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गौता भारतीय प्रबन्धन को-2/370, सुल्तानपुरी दिल्ली-86

अरविंद केजरीवाल का मारुति-टोयोटा-हीरो को पत्र, 29 ऑटो कंपनियों से ई-20 फ्यूल पर पूछे कई सवाल



नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को 29 ऑटोमोबाइल कंपनियों को पत्र लिखा। यह पत्र ई20 ईंधन के पुराने वाहनों में उपयोग को लेकर कंपनियों के विरोधाभासी बयानों पर केंद्रित है। उन्होंने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही पत्र भेजने की जानकारी दी। केजरीवाल ने बताया कि तीन प्रमुख कंपनियों मारुति, टोयोटा किलोस्कर और हीरो को अलग से पत्र भेजा गया है। शेष 26 कंपनियों को एक अलग पत्र भेजा गया है। उन्होंने कंपनियों से सार्वजनिक तौर पर अपनी वास्तविक

स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। यह कदम वाहन मालिकों की सुरक्षा और जानकारी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। केजरीवाल ने 4 जुलाई को हुई सरकार की प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला दिया। उस कॉन्फ्रेंस में इन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा था कि पुराने वाहनों में ई20 ईंधन का उपयोग सुरक्षित है। उन्होंने यह भी बताया था कि इससे माइलेज में करीब 3 से 5 फीसदी की कमी आ सकती है। हालांकि, प्रतिनिधियों ने दावा किया था कि वाहन को कोई नुकसान नहीं होगा। यह बयान सरकार की इथेनॉल मिश्रण

नीति के समर्थन में था। केजरीवाल ने मारुति, टोयोटा किलोस्कर और हीरो को लिखे पत्र में इस विरोधाभास को उजागर किया है। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों की ओनर्स मैनुअल में स्पष्ट रूप से लिखा है। मैनुअल के अनुसार, 2023 से पहले निर्मित वाहनों में 10 फीसदी से अधिक इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का उपयोग किसी भी स्थिति में नहीं किया जाना चाहिए। यह कंपनी के आधिकारिक दस्तावेज और उनके प्रतिनिधियों के सार्वजनिक बयान के बीच एक बड़ा अंतर दर्शाता है। केजरीवाल ने इस विरोधाभास को छेटी गलती या मामूली विरोधाभास मानने से इनकार किया है। उन्होंने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया है, जो लाखों वाहन मालिकों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कंपनियों से लिखित रूप में सार्वजनिक तौर पर अपनी वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। इस स्पष्टीकरण से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन के उपयोग के संबंध में सही जानकारी मिल सकेगी। यह कदम वाहन सुरक्षा और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उनकी चिंता को दर्शाता है।

दिल्ली-एनसीआर पर मानसून मेहरबान, नोएडा में झमाझम बारिश



नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में मानसून मेहरबान है। बीते मंगलवार को दिल्ली में तेज बारिश हुई और आज बुधवार को भी सुबह से रुक-रुक कर कई इलाकों में बारिश हो रही है। नोएडा और फरीदाबाद में भी बारिश हो रही है। वहीं ग्रेटर नोएडा में झमाझम बारिश से मौसम सुहवना हो गया। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से मौसम सुहवना हो गया है। लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। फरीदाबाद में ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर जलभराव से यात्री परेशान दिखे। बीते मंगलवार को दिल्ली में दिन में ही रात जैसा नजारा देखने को मिला था। मानसून

की जोरदार दस्तक से तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहनुमा हो गया। हालांकि, इस राहत के साथ कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक मौसम सुहवना रहने की संभावना है। 8 से 13 जुलाई तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। 8 और 9 जुलाई को दिल्ली के कई हिस्सों में सुबह या दोपहर से पहले हल्की बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर मध्यम बारिश भी हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। आंधी और बिजली चमकने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 10 और 11 जुलाई को भी बादल छाए रहने के साथ दोपहर के आसपास हल्की बारिश, आंधी और बिजली कड़कने की संभावना है। 12 और 13 जुलाई को मौसम में यादा बदलाव नहीं होगा और आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान करीब 32 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को तेज हवाओं और आंधी के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। बारिश के कारण कुछ इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की संभावना भी बनी रह सकती है।

दिल्ली में फिर रोडरेज- बीच सड़क टैक्सी ड्राइवर की गुंडागर्दी, कार टकराई और डंडा उठाया

नई दिल्ली । दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेसवे टनल में बीती शाम रोडरेज की एक घटना सामने आई। पुलिस को इस संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी वैगनआर कार की एक सफेद मारुति अर्टीगा टैक्सी से हल्की टक्कर हो गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, टक्कर के बाद टैक्सी चालक ने डंडे से हमला करने का प्रयास किया। बचाव में शिकायतकर्ता ने टैक्सी चालक को धक्का दिया। इससे टैक्सी चालक पास खड़ी एक किआ सेल्टोस कार से टकरा गया। किआ सेल्टोस को मामूली नुकसान हुआ। घटना के बाद टैक्सी चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। शिकायतकर्ता ने इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाही है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। फरार टैक्सी चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना द्वारका एक्सप्रेसवे टनल के भीतर हुई। टक्कर के बाद टैक्सी चालक का आक्रामक व्यवहार रोडरेज का कारण बना। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। हालांकि, तब तक टैक्सी चालक वहां से जा चुका था। पुलिस ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से टैक्सी के नंबर और चालक की पहचान की जा रही है। इस तरह की घटनाएं सड़क सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हैं।

नरेला की खतरनाक जेल का नया मॉडल-एआई कैमरा-जैमर और वर्चुअल कोर्ट सब होगा अंदर, बाहर निकलना होगा मुश्किल

नई दिल्ली । राजधानी में हाई-रिस्क कैदियों की सुरक्षा और निगरानी का तरीका पूरी तरह बदलने की तैयारी है। नरेला में बनने वाली हाई-सिक्योरिटी जेल एक नई जेल नहीं होगी, बल्कि तकनीक आधारित कारागार प्रबंधन का ऐसा मॉडल होगा, जिसमें कैदियों की निगरानी, आवाजाही, पेशी और सुरक्षा से जुड़ी लगभग हर प्रक्रिया डिजिटल और स्वचालित प्रणाली के जरिये संचालित होगी। केंद्र सरकार इस परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये की सहायता देगी, जबकि शेष लागत दिल्ली सरकार वहन करेगी। तिहाड़ जेल देश के सबसे बड़े

जेल परिसरों में से एक है। यहां लंबे समय से क्षमता से दो गुना करीब 20 हजार कैदी रखे जा रहे हैं। इससे सुरक्षा प्रबंधन, निगरानी और पुनर्वास व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। आतंकवाद, संगठित अपराध के हाई-रिस्क कैदियों को अदालत में पेशी के लिए जेल से बाहर ले जाना भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बना रहता है। नई हाई-सिक्योरिटी जेल का उद्देश्य ऐसे कैदियों को अधिक सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण में रखना है। अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य नरेला हाई-

सिक्योरिटी जेल को केवल एक नई जेल के रूप में विकसित करना नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप तकनीक आधारित कारागार प्रबंधन के मॉडल के तौर पर स्थापित करना है। इस जेल की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि इसे विशेष रूप से हाई-रिस्क कैदियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। प्रत्येक कैदी को अलग सेल में रखा जाएगा, ताकि उनके बीच संपर्क, गैंग नेटवर्किंग और जेल के भीतर आपराधिक गतिविधियों की संभावना न्यूनतम रहे। पूरे परिसर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित

सीसीटीवी कैमरे, बाॅडी-वॉन कैमरे, बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल, ऑटोमैटिक लॉकिंग सिस्टम, फुल बाॅडी स्कैनर, एक्स-रे बैगेज स्कैनर और मोबाइल सिग्नल जैमर लगाए जाएंगे। जेल परिसर में ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा और इन-हाउस कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा, जिससे हाई-रिस्क कैदियों को हर पेशी के लिए जेल से बाहर ले जाने की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी। इससे सुरक्षा बलों पर दबाव घटने के साथ रास्ते में होने वाले सुरक्षा जोखिमों को भी कम किया जा सकेगा।

एनसीआरटी की पुस्तकों में संशोधन- हिटलर के संदर्भ हटाए गए, विभाजन पर कांग्रेस के रुख में बदलाव किया गया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद एनसीआरटी ने कक्षा 8 के सोशल साइंस की किताब में कई अहम बदलाव किए हैं। सबसे जरूरी बदलाव न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़े चैप्टर में किया गया। इसके अलावा इस किताब से 1947 के बंटवारे पर कांग्रेस के रुख और एडॉल्फ हिटलर की नाजी विचारधारा के जिक्र को हटाया गया। नए वर्जन एक्सलोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बिर्योन्ड, जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका से जुड़े पुराने कंटेंट को आपत्तिजनक बताया था और उसकी सभी फिजिकल और डिजिटल कॉपी वापस लेने का निर्देश

दिया था। नई किताब में भारत की आजादी और बंटवारे से जुड़े इतिहास के चैप्टर में भी बदलाव किए गए हैं। अहम बदलावों में से एक बंटवारे पर कांग्रेस के रुख से जुड़ा है। पुरानी किताब में कहा गया था कि हालांकि महात्मा गांधी और कांग्रेस के यादातर नेताओं ने बंटवारे का विरोध किया था, लेकिन आखिरकार उन्होंने इसे ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता मानकर स्वीकार कर लिया। नए वर्जन में कहा गया है कि बंटवारे का कांग्रेस ने भी जोरदार विरोध किया था और यह भी कहा गया है कि क्या इसे स्वीकार करना आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता था, यह बहस का विषय है। नए वर्जन

में पुरानी किताब का एक वाक्य भी हटा दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि बंटवारे के दौरान जब पूरे उपमहाद्वीप में सांप्रदायिक नरसंहार हो रहा था, तब कांग्रेस नेता बेबस थे। एक और अहम बदलाव स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की दूसरे विश्व युद्ध के दौरान की कोशिशों के बारे में है। पहले वाले एडिशन में कहा गया था कि बोस ने एडॉल्फ हिटलर का समर्थन मांगा था और जर्मन नेता को एक तानाशाह बताया था, जिसकी नस्लवादी नाजी विचारधारा और विस्तारवादी लक्ष्यों ने युद्ध शुरू किया था। इसके बजाय, बदली हुई किताब में कहा गया है कि

बोस ने ब्रिटिश-विरोधी ताकतों से समर्थन मांगा था, इसमें हिटलर या नाजी विचारधारा का कोई जिक्र नहीं है। इतिहास वाले चैप्टर को भी बढ़ाया गया है और इसमें विनायक दामोदर सावरकर का जिक्र शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि पूर्ण स्वतंत्रता की मांग पर चर्चा के दौरान 1925 में चौड़ी सावरकर ने भी स्वराज की ऐसी ही मांग की थी। बदली हुई किताब में सुप्रीम कोर्ट के दखल के कुछ महीनों बाद आई है, जिसमें न्यायपालिका पर एक चैप्टर में भ्रष्टाचार, अदालतों में लंबित मामलों और जजों के खिलाफ शिकायतों पर चर्चा की गई थी।

अभिजीत दीपके बोले- सीजेआई की टिप्पणी से हुआ सीजेपी का गठन, 24 घंटे में मिले 30 हजार सदस्य

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा कथित तौर पर सरकार की आलोचना करने वाले युवाओं की तुलना कॉकरोच से करने के बाद एक अनोखी प्रतिक्रिया सामने आई है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अभिजीत दीपके ने इस टिप्पणी पर एक्स पर एक वायरल पोस्ट के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। दीपके ने कहा कि उनका मकसद कोई छत्र आंदोलन शुरू करना नहीं था। 30 साल के दीपके ने इस विचार को कॉकरोच जनता पार्टी नामक एक पैरोडी प्लेटफॉर्म में बदल दिया। इस प्लेटफॉर्म को लॉन्च होने के 24 घंटे के भीतर ही 30,000 से ज्यादा सदस्य मिल गए। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से फैली और युवाओं के बीच चर्चा का विषय बन गई। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि कुछ युवा सरकार की आलोचना करते हैं, लेकिन वे देश के विकास में कोई योगदान नहीं देते। इस टिप्पणी को कई लोगों ने युवाओं के प्रति अपमानजनक माना। सोशल मीडिया पर इस टिप्पणी को लेकर तीखी बहस छिड़ गई। कई युवाओं ने इसे अपनी आवाज दबाने का प्रयास बताया। अभिजीत दीपके ने मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी को व्यंग्यात्मक रूप से लिया। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी बनाकर इस पर प्रतिक्रिया दी। यह प्लेटफॉर्म युवाओं को एक साथ लाने और अपनी बात रखने का एक मंच बन गया। दीपके ने स्पष्ट किया कि यह एक पैरोडी है और इसका उद्देश्य किसी राजनीतिक दल का गठन करना नहीं है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- कांग्रेस ने की चंपत राय की गिरफ्तारी की मांग, पीएम की चुप्पी और ट्रस्ट को लेकर क्या कहा?

नई दिल्ली।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में कथित हेराफेरी को लेकर विवाद जारी है। इस बीच बुधवार को कांग्रेस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पार्टी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्रस्ट के सदस्यों के चयन में अपनी गलती के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जब राम मंदिर का श्रेय लेने की बात आती है, तब प्रधानमंत्री सबसे आगे रहते हैं। अब चढ़ावे की कथित चोरी की जिम्मेदारी लेने से वह क्यों बच रहे हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस की मांग है कि ट्रस्ट को भंग किया जाए, असली दोषियों को

गिरफ्तार किया जाए, पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए, नया ट्रस्ट बनाया जाए और प्रधानमंत्री देश से माफी मांगें। मोदी जी, अपनी चुप्पी तोड़िए। यहां एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने भी पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को तुरंत भंग कर उसकी जगह नया ट्रस्ट बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, नए ट्रस्ट के सदस्यों का फैसला शंकराचार्यों, सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज, निर्मोही अखाड़ा के प्रतिनिधियों और विभिन्न संतों तथा महात्माओं की सहमति से होना चाहिए। गोहिल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए,



क्योंकि उन्होंने संतों और महात्माओं की जगह चंपत राय जैसे लोगों को ट्रस्ट में शामिल किया। उन्होंने दावा किया, चढ़ावे की कथित चोरी का मामला सामने आने से पहले राम मंदिर में हर दिन 16 से 18 लाख

रुपये का दान आता था। लेकिन मामला सामने आने के बाद यह राशि बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये प्रतिदिन हो गई। उन्होंने कहा कि इससे यह शक पैदा होता है कि पहले हर दिन करीब 10 लाख रुपये का

गबन किया जा रहा था। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि देशभर के करोड़ों लोगों ने भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धा से दान दिया। लेकिन ट्रस्ट ने इस धन का सही हिसाब जनता के सामने नहीं रखा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। इसलिए इससे जुड़ी किसी भी कथित वित्तीय हेराफेरी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। गोहिल ने कहा, सनातन परंपरा में शंकराचार्यों की राय का खास महत्व होता है। उन्होंने बताया कि शंकराचार्यों ने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त को लेकर आपत्ति जताई थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनावी लाभ के लिए उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया, भारतीय जनता पार्टी लगातार

भगवान राम के नाम पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करती रही है। कांग्रेस ने यह हमला उस समय किया, जब मंदिर ट्रस्ट ने सोमवार को चढ़ावे की कथित चोरी के विवाद के बीच चंपत राय के महासचिव पद और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए। ट्रस्टी कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव बनाया गया है। श्रद्धालुओं का भरोसा फिर से कायम करने और चढ़ावे की व्यवस्था में सुधार का वादा करते हुए ट्रस्ट ने यह भी घोषणा की कि मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन के लिए तीन सदस्यीय खोज समिति बनाई जाएगी। कांग्रेस ने कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार करके ट्रस्ट ने यह मान लिया है कि चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़ी खबरें सही थीं।

आंगनवाड़ी केंद्रों को मिले 60 सेट आधुनिक उपकरण



भटनी देवरिया।

विकास खण्ड भटनी परिसर में आंगनवाड़ी केंद्रों की सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 60 सेट आंगनवाड़ी उपकरण संबंधित केंद्रों को सुपुर्द किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से केंद्रों पर बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों को

अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा। वितरण कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। आधुनिक उपकरण उपलब्ध होने से बच्चों के बौद्धिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, वहीं केंद्रों पर संचालित गतिविधियों की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

भटनी ब्लॉक में वितरण कार्यक्रम आयोजित, बच्चों के सर्वांगीण विकास पर दिया गया जोर

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से उपकरणों का समुचित रखरखाव एवं नियमित उपयोग सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में खण्ड विकास अधिकारी साबिर अनवर, एडीओ पंचायत विंध्याचल सिंह, ग्राम पंचायत सचिव जितेन्द्र कुमार यादव, धनंजय कुशवाहा, जनरल जन गौतम सहित ब्लॉक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने आंगनवाड़ी केंद्रों को बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सुबह-सुबह स्कूल पहुंचे डीएम, बिना सूचना गायब शिक्षामित्र को नोटिस देवरिया।

परिषदीय विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने और धरातल पर उसकी वास्तविक स्थिति परखने के लिए जिला प्रशासन की सक्रियता लगातार बनी हुई है। बुधवार सुबह ठीक 7-45 बजे जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विकास खंड अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय तिलई बेलवा और उससे संबद्ध आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। सुबह-सुबह कलेक्ट्रेट के शीर्ष अधिकारी के अचानक पहुंचने से विद्यालय स्टाफ और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर सबसे पहले अध्यापकों की उपस्थिति पंजिका और बच्चों की डिजिटल अटेंडेंस के रिकॉर्ड की गहनता से पड़ताल की। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में तैनात कुल छह शिक्षकों और दो शिक्षामित्रों के सापेक्ष एक शिक्षामित्र बिना किसी पूर्व सूचना के अपने दायित्व से अनुपस्थित पाए गए। इस अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित



शिक्षामित्र को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने और स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे केवल कागजी उपस्थिति पर निर्भर न रहें, बल्कि छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत डिजिटल उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अधिभावकों से सीधा संपर्क स्थापित करें। उन्होंने कक्षा-कक्षों में जाकर बच्चों के अधिगम स्तर को भी देखा और शिक्षकों को प्रत्येक बच्चे को निपुण बनाने हेतु प्रोत्साहित किया।

डिजिटल उपस्थिति और पठन-पाठन की जांची गई जमीनी हकीकत बच्चों के पोषण और बुनियादी शिक्षा के स्तर में सुधार लाने की हिदायत

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों को मिल रहे पुष्पहार, प्रारंभिक बाल शिक्षा (ईसीसीई) और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य मानकों में किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए। परिसर के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुव्यवस्थित साफ-सफाई और एक बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने पर बल दिया, जिससे बच्चों का झुकाव स्कूल के प्रति बढ़ सके।

मुख्यमंत्री शिक्षक केशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, 12 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवारों को मिलेगा लाभ



कुशीनगर। कुशीनगर के कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वाराणसी से प्रसारित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिक्षक केशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवारों को केशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही 1.10 करोड़ विद्यार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 की धनराशि हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम में 10 लाख शिक्षकों एवं सविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू भी किया गया तथा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं फाजिलनगर विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है और परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या के साथ शिक्षा की गुणवत्ता में भी लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक केशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के लिए एक ऐतिहासिक और कल्याणकारी पहल है, जिससे अब आर्थिक अभाव के कारण किसी शिक्षक का उपचार प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने शिक्षकों से समाज निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से मुख्यमंत्री शिक्षक केशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान किए।

हरियाली की ओर कदम- देवरिया में 12 जुलाई को रोपे जाएंगे 39.91 लाख पौधे, सीडीओ ने परखी तैयारियां

देवरिया।

जनपद के पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ करने और हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए आगामी 12 जुलाई को जिला प्रशासन एक वृहद वृक्षारोपण महाअभियान चलाए जा रहा है। इसके तहत जिले में कुल 39,91,900 पौधे रोपने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को विकास भवन के गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सभी विभागाध्यक्षों और कार्यदायी संस्थाओं की एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई।

बैठक में सीडीओ ने स्पष्ट किया कि केवल पौधरोपण करना ही लक्ष्य नहीं है, बल्कि रोपे गए पौधों की सुरक्षा और उनकी उत्तरजीविता (जीवित रहने की दर) सुनिश्चित करना सभी विभागों की प्राथमिक जवाबदेही होगी।

इस महाअभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट के निर्देशों के क्रम में विभिन्न विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें सबसे बड़ा लक्ष्य ग्राम्य विकास विभाग को 13,97,000 और वन एवं वन्यजीव विभाग को 13,46,000 पौधों का मिला है। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग को



पंचायत भवनों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर लगभग सहजन, आंवला व नींबू के औषधीय पौधे रोपे गए पौधों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश

4,32,000, पंचायती राज विभाग को 1,53,000 और पर्यावरण विभाग को 1,52,000 पौधे लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर दो-दो सहजन के पौधे और हर पंचायत भवन परिसर में अनिवार्य रूप से आंवला, सहजन व नींबू के औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा अमृत सरोवरों, चारागाहों, पशु आश्रय स्थलों और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे भी उपयुक्त

प्रजातियों का रोपण किया जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और प्रबुद्ध वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। बैठक में हरित विद्यालय और हरित ग्राम की अवधारणा को साकार करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने आईजीआरएस (जनसुनवाई पोर्टल) की लंबित शिकायतों को लेकर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे केवल दफ्तरों से रिपोर्ट न लगाएं, बल्कि मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से सीधा संवाद करते हुए प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें।

चाचा पर भतीजी से दुष्कर्म करने की प्रयास का आरोप, मुकदमा दर्ज

पटहेरवा कुशीनगर। एक चाचा पर भतीजी से दुष्कर्म करने के प्रयास का आरोप लगाते हुये पीड़ित की माँ ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराई है। घटना 27 जून की शाम साढ़े तीन बजे की बताई जा रही है। पटहेरवा के एक गांव की महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि वह कानपुर रहती है। वह गर्मी के छुट्टी में परिवार सहित अपने मामा घर गोपालगंज बिहार आई थी। इसी बीच उसे सूचना मिली कि उसके श्वसुर मोफोज आलम की तबीयत बहुत खराब है। घटना की सुबह लड़के व लड़की के साथ उन्हें देखने अपने श्वसुर के घर आ गयी। इसी बीच उसकी लड़की अपने दादा मोफोज आलम के पास बैठ कर बात कर रही थी कि उसके चाचा हसमत अली आ गए और उसे बुलाकर एक कमरे में ले गए और कमरा बंद कर दिए। फिर उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश करने लगे। जिससे उसके कपड़े फट गये। लड़की के शोर सुनकर उसका लड़का आकिब बीचबचाव करने गया तो नाराज होकर लड़के व लड़की दोनों को गंभीर रूप से पिटाई कर दी। जिनका इलाज सीएचसी फाजिलनगर में कराई। पुलिस ने तहरीर पर आरोपित हसमत अली के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

शीशमहल अब बनेगा स्टेट गेस्ट हाउस, 6-फ्लैगस्टाफ रोड बंगले को मिलेगा नया अवतार

नई दिल्ली । दिल्ली के प्रिंजिल लहस्य रिश्ता 6-फ्लैगस्टाफ रोड का नईनन ससखी आवास जल्द ही नई निमेषुवी निमता रिश्ताई देश कभी मुसुधनी के आधिकारिक निवास के रूप में सुविधियों में खूब बंधीरस अन्व ससखी भेडमनी की मेनकनी और ससुकीक शिनीनीशियों का प्रमुख केंद्र बनेन न। ख है। दिल्ली ससखर ने इसे स्टेट गेस्ट हाउस और आधुनिक

ससुकीक केंद्र के रूप में विस्मृति करने की रिश्ता में औपचारिक फैसला लिखा है। ससखी स्तर पर हुई हलिस्य बैठक में तय किया गया कि इस परिसर का उपयोग केवल प्रशासनिक जसुती तक सीमित नही होगा। भविष्य में यहां ससखी बैठकों के सध-साध खड्य और अंतराख्य प्रतिनधिधमंडले का सगात, विरिष्ट आतिथियों का आवास तथा विभिन्न ससुकीक कार्यक्रम

अधीनत किए जाएंगे। ससखर का मानस है कि इसी सजुधनी में लंबे समय में महसूस की जा खी एक महत्वपूर्ण कमी पूरी होगी। अब तक दिल्ली ससखर के पास ऐस कहीं समर्पित स्टेट गेस्ट हाउस नहीं था, जहां विभिन्न रा्यों या विदेशों से अने वाले ससखी प्रतिनिधियों को ठहराया जा सके। हर नार अलग-अलग व्यवस्थाओं पर निर्भर खना पड़ता था। नए फैसले के

बाद एक सखी और अलगसुनिक सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे ससखी अखोजनी का संकलन भी अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। योजना के तहत परिसर में आधुनिक अतिथि कक्ष, समेलन हॉल, बैठक कक्ष और बहुउद्देशीय सभागार तैयार किए जाएंगे। यहां कला प्रदर्शनीयां, संगीत और नृत्य कार्यक्रम, साहित्यिक अखोजन, सांस्कृतिक संवाद, ससखी

समारोह और विभिन्न विधानों के कार्यक्रम निधिगत रूप से अधीनत किए जा सकेंगे। ससखर का उद्देश्य इस परिसर को प्रशासनिक उपयोग के साथ-साथ सजुधनी की ससुकीक पहचान से भी जोड़ना है। औपचारिकों के अनुसार निमस कार्य इस तरह किए जाएंगे कि मौजूदा भवन में बड़े पैमाने पर तैजुसैड की जसुत न पड़े। कंसिडर होगी कि ऐतिहासिक महल वाले इस

परिसर की मूल ससज्जा को अधिकतम सुसिधत रखते हुए आधुनिक सुविधाएं जोड़े जाएं, यह वहीं ससखी आवास है। जो पिछले कुछ वर्षों में पुनर्निर्माण और सौरीयकरण पर हुए खर्च को लेकर सजुनीतिक कस्य का केंद्र बना ख। भारतीय नक़्सा पार्टी ने इसे नुकनै अधिसर के दौरान सौतमकल नाम दिख था और विधानसभा नुनस प्रचार

में इसे प्रमुख मुद्दे के रूप में उठखा था। इस वजह से यह बंगला लंबे समय तक सार्वजनिक और सजुनीतिक जसुती में बना ख। करीब आठ दशक पहले वर्ष 1942 में ब्रिटिश शासन के दौरान इस विहाल ससखी भवन का निर्माण करया गया था, बाद के वर्षों में यह कई वरिष्ठ नजुातनीशियों के अवास के रूप में उपयोग में ख। वर्ष 2004 से 2008 तक तत्कालीन विधानसभा

अख्य प्रेम सिंह यहां रहे, जबकि बाद में रिश्तासभा के उपाध्यक्ष अमरीश गौतम को यह अडिस्ट किया गया। वर्ष 2015 से यह तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आधिकारिक निवास बन गया। इस परिसर के पुनर्निर्माण और सौरीकरण से जुड़े खर्च पर निमिक एवं महत्सख प्रीक (सीपीजे) की रिपोर्ट खलि विभिन्न नजुवै में प्रजिनागत सवाल उठए गए थे।

दिल्ली में पांच मंजिला मकान ढहा - मलबे में दबकर एक की मौत और दो घायल; चार से पांच लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली । एनधानी में मंगलवार से रह-रुकर हो रही बारिश के बीच बुधवार शाम रोहिंगी में एक पांच मंजिला निर्माणधीन इमारत जम्बोटेज हो गई। हदसे के बाद भौके पर चीख-पुकार मच गई। एल-चैप कोने की इमारत का मलबा सड़क पर आ गया। वहां से गुजर रहा एक बाइक सवार मलबे की सूचना पर आ गया, जबकि रोड पर खड़ी कई गाड़ियां भी मलबे की चपेट में आ गई। अफना-तफरी के बीच फौरन पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी गई। हदसे के समय इमारत में कई मजदूर काम कर रहे थे। यह मलबे में दब गया। कुछ ही देर बाद पुलिस व दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचव का काम शुरू हुआ। मलबे से

निकालकर बाइक सवार व दो मजदूरों को नजदीकी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया गया जबकि बाकी दो मजदूरों का उपचार जारी है। दूसरी और हदसे की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, डीडीएमए, एमसीडी समेत बांकी बचाव दल मौके पर पहुंच गया। कई जेसीबी लगाकर मलबा हटाने का काम जारी है। मलबे में चार से पांच और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। पुलिस के मुताबिक हदसा रोहिंगी सेक्टर-16 के जी-4 में हुआ। यहां कौने पर प्लॉट नंबर-150 में 26-26 गज के दो प्लॉट को जोड़कर ग्राउंड फ्लोर के अलावा ऊपर चार मंजिलों का



निर्माण किया गया था। सभी फ्लोर का लैंटर भी खल दिया गया था। अब बाहर से बंशियां लगाकर उसके प्लम्टर करने के अलावा फिनिशिंग का काम चल रहा था। मंगलवार से हो रही बारिश की वजह से बचाव का काम करने वाले रजमिस्त्री और मजदूरों को संख्या भी अन्य दिनों के फुकासले कम थी। शाम करीब 4.20 बने अचानक इमारत भरभराकर गिर गई। इसका मलबा जी-4 और जी-5 के बीच मौजूद 20 फुट रोड पर जा गया। यहां सड़क पर कई कारें खड़ी थीं। इसके अलावा सड़क से भी लोग गुजर रहे थे। मलबे में वहां से गुजर रहा बाइक सवार दब गया।

तेज अवाज के साथ इमारत गिरी तो आसपास मौजूद लोग धरो से निकले और मदद के लिए भागे। सबसे पहले मलबे में दबे दो मजदूरों को निकाला गया। इसके बाद बाइक सवार को भी निकाल लिया। बाद में इनको पेशीअर की मदद से अंबिकर अस्पताल भेजा गया। हदसे की खबर मिलते ही पुलिस, दमकल की 6 गाड़ियां, एम्बुलेंस, डीडीएमए की टीम, एनडीआरएफ और दूसरी मिनिंक एजेंसीयां वहां पहुंची। बाद में जेसीबी की मदद से मलबा हटाना शुरू हुआ। इसके अलावा दमकल कर्मियों व एनडीआरएफ की टीम ने कटर की मदद से लैंटर को काटना भी शुरू कर दिया। कुछ लोग मलबे में दबे हुए मदद मांगते दिखे।

पुणे में मूसलाधार बारिश का कहर- कचरे का पहाड़ गिरने से बिल्डिंग ढही, कई लोग फंसे



पुणे। पुणे के पिथी-चिंचवड में बुधवा को हुई भारी बारिश के बाद, पुणे कचरे का पहाड़ जैसा ढेर पास की तीन मंजिला इमारत पर गिर गया, जिससे वह ढह गई। इस घटना में कम से कम 16 लोगों के मालबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना मोशी में हुई। यहीं इमारत का इस्तेमाल एक प्राइवेट कंपनी के एडमिनिस्ट्रिटिव ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था, जो

सपर निवास की ओर से उस जगह पर कचरे की प्रोसेसिंग का काम कर रही थी। पिथी-चिंचवड प्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कांयसर नियय सूर्यवंशी ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि भारी बारिश के कारण कचरे का ढेर ढोला हो गया और इमारत पर गिर गया। उन्होंने बताया कि प्राइवेट कंपनी के करीब 16 कर्मचारियों के इमारत के अंदर होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि नेहरू डिजास्टर रिस्पांस फोर्स, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंच गई हैं और बचाव अभियान चल रहा है। पिथी-चिंचवड के मेयर रवि लांडो ने कहा कि खतर में भारी बारिश की वजह से फनी का स्तर काफी बढ़ गया है। इसके कारण जमा हुआ कचरा और मलबा एक ऑफिस बिल्डिंग पर गिर गया, जिससे कंजेंट का एक स्लैब भी ढह गया। उस समय ऑफिस के सेलर कर्मचारों वहां खाना खा रहे थे; दो लोग बाहर निकलने में कामयाब रहे, और बाकी लोगों को बचाने का काम अभी चल रहा है। नहीं, किसी की मौत नहीं हुई है; सभी सुरक्षित हैं। फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ की टीम, पुलिस और स्वास्थ्य व पर्यावरण विभाग उन्हें बाहर निकालने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

440 करोड़ रुपये फीज, टीएमसी से जुड़े केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई ने हलचल बढ़ दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने तुणमूल कागिस (टीएमसी) के फंड से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू की है, जांच का केंद्र उन बैंक खातों को बनाया गया है, जिनमें करीब 440 करोड़ रुपये जमा बनाए जा रहे हैं। ईडी की कई टीमें केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में रा के अलग-अलग डिपार्चमेंटों पर कार्रवाई कर रही हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टीएमसी से जुड़े एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 440 करोड़ रुपये को रुक फ्रीज कर दी है। ईडी की इस कार्रवाई से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों



के अनुसार, जिन स्थानों पर छापेमारी की गई है, उनमें एक निजी एक्विशन कंपनी का दफ्तर भी शामिल है। आरोप है कि वह कंपनी पहले टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का नाम भी लिखा जा रहा है, को चार्टर्ड विमान उपलब्ध कराती थी।

जांच एजेंसी अब इन वित्तीय लेनदेन और फंड के स्रोतों की पड़ताल कर रही है, बताया जा रहा है कि इन बैंक खातों को लेकर विवाद विध्वंसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद सामने आया था। पार्टी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष और पूर्व मंत्री अरुण विधास ने बैंक को फर लिखकर आशंका जताई थी कि खातों में जमा राशि का दुरुपयोग हो सकता है, इसके बाद टीएमसी के बागी गृह ने भी पश्चिम बंगाल पुलिस से शिक्कात करते हुए आरोप लगाया कि इन खातों में छद्मचार और कथित नक़्द नक़्दनी से जुटाया गया पैसा जमा है, दोनों पक्षों की विवाद के बाद पुलिस ने खातों पर डेबिच फ्रीज लगा दिया था, जिससे फिलहाल कोई भी गृह इस खर्च का इस्तेमाल नहीं कर सकता।

नीट के बाद यूजीसी-नेट भी लीक! राहुल गांधी का आरोप, लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट परीक्षा का पेपर लीक होने की आशंका जताई है। कागिस सांसद का यह आरोप तब आया है, जब यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट के सोशियोलॉजी पेपर में शामिल हुए, कई उम्मीदवारों ने परीक्षा के पेपर में व्याकरण और स्पेलिंग की गलतियों की शिकायत की थी। नीट यूजी पेपर लीक के कारण देशभर में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद गांधी ने एक्स पर यह पोस्ट किया है। इन प्रदर्शनों में छात्रों, विपक्ष और खन संगठनों ने सख्त कार्रवाई और रिश्ता मंत्री धर्मद प्रधान के हस्तोर्प की मांग की है। बुधवार को एक्स पर गांधी ने यूजीसी-



नेटसोशियोलॉजी पेपर से जुड़े कई आरोपों का जिक्र किया। कागिस सांसद ने यह भी कहा कि पेपर लीक हो गया था और भारत के कुछ हिस्सों में इसे कुल 2.25 लाख में बेचा जा रहा था। गांधी ने एक्स पर लिखा कि यूजीसी-नेट परीक्षा से एक पहले 100 पेज की एक

पीडीएफ स्कूलेट की गई थी। यह पीडीएफ क्रेडन पेपर सेट करने से जुड़ी है, जो सिर्फ एनटीए के पास होता है। पीडीएफ में लगभग 90 सवाल असली सोशियोलॉजी क्रेडन पेपर के सवालों से मेल खाते हैं। यही क्रेडन पेपर बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में 2.25 लाख में बेचा जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि यही नेटवर्क CSIR-NET, HTET और एडीए जैसी परीक्षाओं के लिए भी क्रेडन पेपर उपलब्ध कर रहा था। कागिस नेता ने आगे लिखा कि NEET और NET में बार-बार हुए घोटालों के बावजूद मोदी सरकार आंखें मूंदे हुए है और जेन की नींद सो रही है, क्योंकि लाखों छात्रों की सल्लों की कड़ी महनत-दिन-रात एक करके

की गई पढ़ाई-उत्तरे लिए कोई मायने नहीं रखती। राहुल गांधी ने दैनिक भास्कर की उस रिपोर्ट का खयाल दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि 30 जून की परीक्षा से पहले ही यूजीसी-नेट का प्रश्नपत्र लीक हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, रोहतक में दो छात्र नेताओं ने एक वीडियो जारी किया जिसमें कथित समाजशास्त्र प्रश्नपत्र की समग्री स्क्रीन पर दिखाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवारों को प्रश्नों के दो सेट पढ़ाए गए थे, और 100 प्रश्नों के उन सेटों में से एक सेट परीक्षा के प्रश्नों से मेल खाता है। यूजीसी नेट परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

पटना कोर्ट ने खान सर की अंतिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा, 10 जुलाई को आगम्य आदेश



पटना । पटना की एक अदालत ने चर्चित रिश्क फैसल खान, जिन्हें खान सर के नाम से खब्र जाता है, की कॉफिंग संस्थान फायरिंग मामले में दफर अंतिम जमानत याचिका पर बुधवार को फैसला सुरक्षित रखा लिखा। अदालत इस मामले में 10 जुलाई को अपना आदेश सुनाएगी। यह मामला जून की सुनआत में हुई उस फटना से जुड़ा है, जब कुछ अस्माधिक लखे ने कथित तौर पर खान सर के कॉफिंग संस्थान में जोड़कड़ की थी। आरोप है कि इस दौरान उनके सुरक्षा गार्डों ने फायरिंग की थी। खान सर को ओर से पकवो कर रहे अधिकता मुपरी विचारों ने बताया कि अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला 10 जुलाई तक सुरक्षित रख लिया है। उन्होंने कहा कि अदालत के पूर्व आदेशों के तहत खान सर को किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई से मिली अतिरिक्त रहत 10 जुलाई तक जारी रहेगी। विचारों ने बताया कि अदालत में खान सर की अंतिम जमानत याचिका के अलावा उनके सुरक्षा गार्डों की निर्यात जमानत याचिका और कॉफिंग संस्थान के तीन अन्य कर्मचारियों की अंतिम जमानत याचिकाओं पर भी सुनवाई हुई। उन्होंने दलील दी कि फायरिंग की घटना में खान सर की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। यह मामला अलसख (प्राइवेट लिमिटेड) का है और जांच के दौरान खान सर ने हर स्तर पर पुलिस का पूरा सहयोग किया है।

राम मंदिर चढ़ावा - 24 घंटे की पुलिस रिमांड पर 3 आरोपी

अयोध्या । अयोध्या के राम मंदिर में करिंत चढ़ाव चोरों के मामले में गिरफ्तार 3 आरोपियों को एक स्थानीय अदालत के आदेश पर बुधवार को 24 घंटे की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मामले की जांच कर रहे अयोध्या के पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने सुबह करीब 7 बजे जिला जेल से अनुकल्प मिश्रा, लक्ष्मण मिश्रा और करणेश पंडे को पूछताछ के लिए गिरासत में लिया। विशेष अदालत (प्रधानार रोधी) के आदेश के अनुसार रिमांड की यह अवधि बुधवार सुबह 7 बजे शुरू हुई। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान सामने आए नए सुक्तों के बारे में आरोपियों से पूछताछ की जाएगी और पुलिस उन जगहों पर तलाशी भी ले सकती है जिनकी आरोपियों ने निषाकदेशी की है ताकि चोरी की गई नक़्दी और अन्य सामान बग़मद किया जा सके। अधिकारियों के मुताबिक अभियोजन पक्ष ने रिमांड की मांग इसलिए की थी ताकि मामले में गिरफ्तार अन्य लोगों से पूछताछ के दौरान इकट्ठा की गई सामग्री और सबूतों के अद्यार पर इन तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा सके। मामले की जांच के लिए गठित विशेष टीम द्वारा इस मामले में सबसे पहले मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ल को पुलिस रिमांड पर लिया गया था। अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत को तैयार जालंधर, 17 तारीख को करेंगे कैट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

जालंधर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे को लेकर तैयारियां ज़ोरों पर चल रही हैं। दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी 17 तारीख को जालंधर आएंगे और कैट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। इसी के चलते रेल राय मंत्री स्वर्गीत सिंह बिंदु आज कैट स्टेशन पर उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे और अंतिम तैयारियों का जयन्ता लेने के लिए पहुंचे। इस दौरान रेलवे बोर्ड के अधिकारी और बीजेपी नेतृत्व ने स्टेशन पर उन्हें फूल भेंट करके



स्वागत किया। दरअसल, कैट स्टेशन का निर्माण 98.89 करोड़ रुपये की लागत से पूरा होने वाला है और अभी इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्वर्गीत बिंदु ने कहा कि रेलवे इस उद्घाटन की तैयारी कर रहा है। देश के प्रधानमंत्री को हर देश अखाई देकर सम्मानित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भजनप की लीडरशीप कुछ दिनों तक यहां पर होगी। 17 तारीख तक पार्टी और प्रशासन द्वारा पंजाब के लिए तैयारियां की जा रही हैं। पंजाब दौरे को लेकर लोगों में भी भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। स्वर्गीत बिंदु ने आगे कहा

कि बड़े कार्यों में कर्मिया रह जाती हैं और उनको कॉन्सिरी है कि कर्मियों को दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि 100 साल से अधिक 1500 रेलवे स्टेशन बनाने का काम किया जा रहा है। ऐसे में कैट रेलवे स्टेशन को भी 100 साल हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि, 17 तारीख तक जिनके भी स्टेशन तैयार होंगे उन सभी रेलवे स्टेशन का पीएम मोदी उद्घाटन करेंगे। वहीं पीएम मोदी के के दौरे को लेकर स्वर्गीत बिंदु ने स्पष्ट किया कि पीएम जलंधर दौरे पर आएंगे और स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।

पश्चिम एशिया संकट - वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों से भारत चिंतित

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अंतराख्यी जलमार्गों में व्यापारिक जहाजों पर लगा हमलों के बाद विश्वी केन्द्र गंभीर हो गई है। इस विपड़ोते जलजल पर भारत ने गहरी चिंता जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय (एफओ) ने एक आधिकारिक बयान जारी कर दुर्गम को आग्रह किया है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत युद्ध का रुखा छोड़ संयम बरतने की अपील की है। इस बार तन्त्र की शुरुआत स्टेट ऑफ हेमूज में तीन कर्मस्थित लेन देकरों पर हुए हमले से हुई। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर बड़े इन्हों हमले का दिहा। जबकि मैं ईरान ने भी कुवेत और क़ह्लेन पर मिस्सिलें दाग दी है। इस दौरान टकराव से पूरे इलाके की सुरक्षा और स्थिरता खत पर लगा गई है।

ईरान-अमेरिका से की संयम बरतने की अपील

विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इन हमलों से क्षेत्रीय शांति और स्थिरता पूरी तरह खस हो सकती है। भारत की चिंता- भारत इस पूरे घटनाक्रम और बढ़ते संयम हमलों पर बचीकी से नज़र रखे हुए है। आपूर्ति शृंखला संकट - यह समुद्री एमता दुनिया के समस्त महत्वपूर्ण व्यापारिक और ऊर्जा मार्गों में से एक है। वैश्विक मंदी का डर - जहाजों पर हमलों से कचे तेल की वैश्विक सलाई पूरी तरह ठप होने का खतरा मंडा ख है। क्या कूटनीति से निक्कलेगा इस संकट का समाधान? भारत ने माफ किया है कि हिंसा से कभी शांति नहीं आ सकती। भारत ससखर ने केने महासचिवों और क्षेत्रीय देशों से तुरंत कूटनीतिक मेजर पर चर्चा की अपील की है। दो न जहां एक और



यह भारी हमलों की धमकी दी है, वहीं भारत युद्ध रोकने के लिए लगातार बातचीत की ककलत कर रहा है। संकट टालने के लिए भारत के चार बड़े सुझाव तुरंत संयम बरतें- सभी संश्लिप्त देश अपनी संयम कार्रवाइयों को रोकें और जमीनी तन्त्र को तुरंत कम करें। नागरिकों की सुरक्षा- युद्ध के इस माहौल में आम नागरिकों का नाम की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जायें चाहे। व्यापार को रखें मुक्त - अंतराख्यी जलमार्गों में कर्मस्थित जहाजों का अवगमन बिना किसी डर या बाधा के जारी रहा चाहे। ऊर्जा आपूर्ति न रुके - वैश्विक आर्थिकव्यवस्था को बचाने के लिए तेल

हमारा उंगली ट्रिगर पर है- खामेनेई के सलाहकार की अमेरिका को चेतावनी तेहरान / काहिरा । अमेरिका और ईरान के बीच तन्त्र एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान के ससखी मीडिया के अनुसार, दक्षिणी ईरान में अमेरिकी इन्हों हमलों में ईरानी सैन्य के आठ जहाज गारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सलौन नेक अपनी खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली अकबर केलाखानी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि रेंजिस्ट्रेस धुरी को उल्लेखी ट्रिगर पर है। ईरानी ससखी मीडिया के मुताबिक, अमेरिकी सैन्य ने दक्षिणी ईरान के कई संयम छिन्ननों पर हमले किया। इन हमलों में ईरानी ससख्य जहाजों के आठ बड़े सैन्यवाद तथा कूटनीति। अमेरिक और ईरान के बीच बरसों से चली आ रही दुश्मनी ने खत 2025 और 2026 में एक केकर खतरनाक मोड़ ले लिया। दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते को लेकर चल रही बातचीत टूटने के बाद, जून 2025 में 12 दिनों तक भारी इन्हों हमले हुए। तन्त्रव यह नहीं रुका। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान के मिलावर एक बहुत बड़ा संयम अभियान आरंभरन एफिक पयुरी शुरू कर दिया।

को दस्तामिक रिलेल्युसनी गार्ड कॉर्पस ने टका तन्त्र एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान के ससखी मीडिया के अनुसार, दक्षिणी ईरान में अमेरिकी इन्हों हमलों में ईरानी सैन्य के आठ जहाज गारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सलौन नेक अपनी खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली अकबर केलाखानी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि रेंजिस्ट्रेस धुरी को उल्लेखी ट्रिगर पर है। ईरानी ससखी मीडिया के मुताबिक, अमेरिकी सैन्य ने दक्षिणी ईरान के कई संयम छिन्ननों पर हमले किया। इन हमलों में ईरानी ससख्य जहाजों के आठ बड़े सैन्यवाद तथा कूटनीति। अमेरिक और ईरान के बीच बरसों से चली आ रही दुश्मनी ने खत 2025 और 2026 में एक केकर खतरनाक मोड़ ले लिया। दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते को लेकर चल रही बातचीत टूटने के बाद, जून 2025 में 12 दिनों तक भारी इन्हों हमले हुए। तन्त्रव यह नहीं रुका। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान के मिलावर एक बहुत बड़ा संयम अभियान आरंभरन एफिक पयुरी शुरू कर दिया।

दस बड़ो जहाज के बीच इस्राइल प्राधान्यती बेनामिन नेनय्याहू और खब मंत्री इस्राइल काटन ने बुधवार शाम होने वाले एक संयम समारोह में आपन भागीदारी रख कर दी। दोनों नेताओं ने सुरक्षा हतात की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक बुलाई।



सक्षम भारत की बेवसाईड से जुड़ने के लिए
दिए गए QR कोड को स्कैन करें।